वार्तालाप–538, फर्रूखाबाद (उ.प्र.), पार्ट–2, तारीख–19.03.08
Disc.CD-538, dated 19.3.08 at Farrukhabad (Uttar Pradesh), Part-2,

0.58–1.35
जिज्ञासु– बाबा, शब्दभेदी बाण का बेहद में क्या अर्थ है?
बाबा– पृथ्वीराज चौहान के लिए कहा गया है कि वो शब्दभेदी बाण चलाया। जहाँ से आवाज आई और वहीं पर बाण चला दिया। यहाँ एड़वान्स में है ज्ञान की आवाज की बात। जहाँ–2 से ज्ञान से भरी हुई आवाजें आये वहीं उन बातों का जवाब दे देना माना शब्दभेदी बाण चलाय देना।
Time: 0.58-1.35
Student: Baba, what is meant by *shabdbhedi baan*[1] in an unlimited sense?
Baba: It has been said about Prithviraj Chauhan that he shot the *shabdbhedi* arrow. He shot the arrow in the direction from which the sound emerged. Here, in the advance (party) it is about the sound of knowledge. Giving on the spot reply to the sounds of knowledge from wherever they emerge means shooting the *shabdabhedi* arrows.

1.40–3.10
जिज्ञासु– बाबा, वो पूछना चाहते हैं कि बीजरूप स्टेज कैसे होती है और वो कैसे कार्य करते हैं बीजरूप स्टेज में योग कैसे लगता है?
बाबा– जो एड़वान्स में आते हैं, वो एड़वान्स में वही आत्माओं का चुनाव होता है जो एड़वान्स कोर्स लेने के बाद बिन्दुरूपी स्टेज में टिकने के सहज अभ्यासी बन जाते है। मैं आत्मा ज्योतिबिंदु और कुछ भी याद न रहे। अब वो प्रैक्टिस किसी की एक सेकेण्ड़ की हो या लम्बे समय की बन जाये। लम्बे समय की जिनकी प्रैक्टिस बनती है वो भी बीजरूप आत्मा और थोड़े समय की जिनकी बीजरूपी स्टेज बनती है वो भी बीजरूप आत्मा। बीजरूप आत्मायें हैं ऐसी स्टेजवाली जो नई दुनिया में प्रवेश करेंगी, देहभान को काट देंगी, देह की स्मृति ही खलास हो जावेगी। देह होते हुए भी जैसे नहीं है के बराबर, साकार इन्द्रियाँ होते हुए भी जैसे कि ना होने के बराबर।
Time: 1.40-3.10
Student: Baba, he wants to ask how is the seed-form stage and how do souls work in a seedform stage? How is yog achieved in seed form stage?
Baba: Those who obtain the advance knowledge; only those souls are selected to come in advance (party) who easily practice becoming constant in the seed-form stage after obtaining the advance course. 'I am apoint of light soul', nothing other than this should be in the mind. Well, someone may practice that for a second or for a longer period. Those who practice it for a longer period are also seed-form souls and those who achieve the seed-form stage for a short period are also seed-form souls. Only the seed-form souls achieve such stage that they will enter the new world, they will cut the body consciousness; there will be an end to the awareness of the body. Despite being in the body, it is as if the body does not exist; despite the existence of bodily organs it is as if they do not exist.

3.12–5.35
जिज्ञासु– बाबा, लक्ष्मी का माना छोटी मम्मा को बकरी करके कहा गया है ना । तो फिर प्योरिटी की देवी भी तो कहा जाता है ना, जो पूरे 84 जन्म एक के साथ निभाती है। फिर कैसे?

[1] arrows shot at the target by listening to the sound produced by it.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा– प्योरिटी की देवी जो है वो बिना ज्ञान लिये प्योरिटी की देवी बन जाती है कि एड़वान्स ज्ञान लेना पड़े?
जिज्ञासु– एड़वान्स ज्ञान लेने के बाद ही।
बाबा– हाँ, एड़वान्स ज्ञान लेगी, उसके बाद प्योरिटी की देवी साबित होगी। अभी संग का रंग पवित्रतों का लग रहा है या अपवित्र आत्माओं का लग रहा है?
जिज्ञासु– अपवित्र आत्माओं का।
बाबा– अपवित्र आत्माओं का संग का रंग लग रहा है। चलो स्थूल इन्द्रियों से नहीं लग रहा है तो कम से कम सूक्ष्म ज्ञानेन्द्रियों से, आँखों से तो लग रहा है । इसलिए आँखों से पतन होता है। वो स्टेज नहीं बन सकती जिसे कहा जाता है दृष्टि से सृष्टि का उद्धार होना।
Time: 3.12-5.35
Student: Baba, Lakshmi, i.e. the junior mother (*choti mamma*) has been called a goat. But she is also called a deity of purity who maintains the relationship with one (soul) for entire 84 births. So, how does that happen?
Baba: Does the deity of purity become a deity of purity without obtaining knowledge or is she required to obtain advance knowledge?
Student: Only after obtaining advance knowledge.
Baba: Yes. She will obtain advance knowledge. After that she will be proved to be a deity of purity. Now is she being coloured by the company of pure souls or of impure souls?
Student: Of impure souls.
Baba: She is being coloured by the company of impure souls. OK, she is not being coloured by the company of physical organs, but at least she is being coloured by the subtle sense organs, through eyes. This is why she experiences downfall through her eyes. She cannot achieve the stage for which it is said that the uplift (*udhaar*) of the world takes place through the vision.

जिज्ञासु– फिर भी नम्बरवन में जाती है, नारी से लक्ष्मी बनती है।
बाबा– नम्बरवन कहाँ हुआ। चंद्रवंश को नम्बरवन कहेंगे?
जिज्ञासु– नारी से लक्ष्मी बनने का जो....
बाबा– नारी से लक्ष्मी बनना, नारी रूप में भगवान आता है या नर रूप में भगवान आता है?
जिज्ञासु– नर रूप में आता है मगर.....
बाबा– तो भगवान अव्वल नंबर है या नारी अव्वल नंबर है? अव्वल नंबर कौनसा रूप है? जो रूद्रमाला के मणके हैं । वो सब नर रूप हैं। उन सब में भगवान शिव साकार रूपधारी के द्वारा प्रवेश करते हैं । इसलिए रूद्रमाला के मणके कहे जाते हैं। रूद्र कहा जाता ही है शंकर को। शिव को रूद्र नहीं कहा जाता। मेरा नाम शिव ही है। वो नाम कभी बदलता नहीं। जब शरीर बदलते हैं तो नाम बदल जाता है। तो शिव जब रौद्र रूप धारण करता है मुकर्रर रथ के द्वारा तो वही रूद्र कहा जाता है। उस रूद्र के द्वारा यज्ञ के आदि में भी रौद्र रूप धारण किया गया था और अंत में भी रौद्र रूप धारण करता है। तो रूद्रमाला के मणके वो सब पुरूष ही होते हैं।
Student: Even so, she becomes number one, doesn't she? She changes from a woman to Lakshmi.
Baba: Is she number one? Will the Moon dynasty be called number one?
Student: Changing from a woman to Lakshmi…
Baba: Changing from a woman to Lakshmi...; does God come in a female form or a male form?
Student: He comes in a male form but…..
Baba: So, is God number one or is a woman number one? Which form is number one? All the beads of the rosary of Rudra are male forms. God Shiv enters in all of them through the one

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

bearing a corporeal form. This is why they are called beads of the Rudramala. Shankar is said to be Rudra. Shiv is not called Rudra. My name is only Shiv. That name never changes. When the bodies change, the names change. So, when Shiv assumes a fierce form through the permanent chariot, then it is he who is called Rudra. Through that Rudra even in the beginning of the Yagya He took on a fierce form and even in the end He takes on a fierce form. So, all the beads of the Rudramala are males only.

8.44–10.33

जिज्ञासु– बाबा जीयोग्राफिक पॉइंट से आस्ट्रेलिया की मिट्टी में डस्ट नहीं होता, धूल नहीं होता। फ्रांस में मच्छर नहीं होता।
बाबा– आस्ट्रेलिया की मिट्टी में क्या नहीं होता?
जिज्ञासु– डस्ट–2, धूल नहीं होता।
बाबा– ये आस्ट्रेलिया से तो आये हैं इनसे पूछो वहाँ डस्ट होती है कि नही?
जिज्ञासु– फ्रांस में.....
बाबा– रूको–2, एक बात पक्की करो लो पहले। हाँ, भाई।
जिज्ञासु– है। वो बोलते हैं डस्ट है लेकिन बहुत नहीं है।
बाबा– हाँ, मिट्टी है। ऐसे नहीं आस्ट्रेलिया में मिट्टी नहीं है। जहाँ–2 जमीन होगी, जहाँ–2 धरणी होगी वहाँ–2 डस्ट जरूर होगी। तो आस्ट्रेलिया की मिट्टी में डस्ट है। ऐसे नहीं डस्ट नहीं है लेकिन हिन्दुस्तान के मुकाबले कम है। होनी चाहिए। हिन्दुस्तान में देहभान की मिट्टी ज्यादा होनी चाहिए या विदेशियो में देहभान की मिट्टी ज्यादा होनी चाहिए? हिन्दुस्तान में देहभान की मिट्टी ज्यादा होनी चाहिए। हाँ, और आगे फ्रांस क्या?
Time: 8.44-10.33
Student: Baba from the geographic point of view there is no dust in the soil of Australia. There is no dust. There are no mosquitoes in France.
Baba: What is not present in Australia's soil?
Student: There is no dust.
Baba(showing some audience): These people have come from Australia; ask them whether dust exists there or not?
Student: In France….
Baba: Wait a little; first clarify one thing. Yes, brother.
Student: It exists. He says that dust exists, but not much.
Baba: Yes. There is mud. It is not so, that there is no mud in Australia. Wherever there is land, wherever there is land, there is bound to be dust there. So, there is dust in the soil of Australia. It is not so, that there is no dust. But when compared to India it is less there. It should be less. Should there be more dust of body consciousness in India or should there be more dust of body consciousnesss in the foreign countries? There should be more dust of body consciousness in India. Yes, what further? What about France?

जिज्ञासु– फ्रांस में मच्छर नहीं होता। इसका आध्यात्मिक कारण है कोई या ...
बाबा– फ्रांस जब शब्द है तो उसका अर्थ भी होगा। फर्र माना क्या जिससे बना फर्रूखाबाद?
जिज्ञासु– तुरंत।
बाबा– और अंस माना क्या?
जिज्ञासु–.....
बाबा– फर्र माना तेजी से। फर्र माना तेजी से और अंस माना... थोड़ा सा कहीं ना कहीं बीज जरूर है। तो जो फट से अंश पकड़ ले माना जो बड़ी तीव्रगति से ज्ञान के अंश को पकड़ ले वो हुआ फ्रांस।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: There are no mosquitoes in France. Is there any spiritual reason for this or…
Baba: When there is the word France, there will also be a meaning to it. What is meant by 'farr' which gave rise to the word 'Farrukhabad'?
Student: Immediately.
Baba: and what is meant by 'ans'?
Student said something.
Baba: *Farr* means quickly. *Farr* means speedily and *ans*[2] means [a little], there is certainly a little bit of the seed somewhere or the other. So, the one who catches the trace immediately, i.e. the one who catches the trace of knowledge very quickly is France.

11.50–14.00
जिज्ञासु– जैसा–2 चरित्र बजायेंगे संगमयुग में वैसा–2 चित्र बनेगा।
बाबा– यहाँ ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया में जैसे–2 चरित्र करेंगे वैसा–2 चित्र बनेगा। यहाँ के चरित्र के आधार पर भक्तिमार्ग में चित्र बनेंगे। द्वापर के अंत में जिन देवताओं ने पूँछड़ी का पार्ट बजाया, देहभान की पूँछड़ी बहुत लम्बी हो गई, लम्बी होना शुरू हो गई तो ये पार्ट वास्तव में कहाँ बजा? संगमयुगी शूटिंग में जब द्वापरयुगी शूटिंग की शुरूआत होती है तो लम्बी पूँछड़ी वाले का पार्ट चलना शुरू हो जाता है। ऐसे ही गणेश को हनुमान की सूंड दिखाते है द्वापर के अंत में। तो कोई ऐसे देहाभिमान के सूंडवाले हैं जिनकी आँखों में बहुत मद भरा रहता है, जिनके कान जो हैं ज्ञान सुनने और सुनाने में बहुत तीखे होते हैं। सबसे जास्ती ज्ञान सुनते हैं और दूसरों को सुनाते हैं लेकिन देहभान नहीं छोड़ पाते। देहभान ऐसा ही भरा रहता है जैसे हाथी के रग–2 में देहभान भरा रहता है। मारे देहअभिमान के यूँ हिलता रहेगा। दिमाग का बहुत चौड़ा होता है। जैसे रावण दिमाग का बहुत प्रतिभाशाली था। ऐसे ही बुद्धि के बहुत प्रतिभाशाली होते है लेकिन देहभान खलास नहीं हो पाता। तो उनका चित्र बनाए दिया है गणेश का। उनमें कामविकार की पूँछ नहीं होती है जो कमर में दिखाई जाती है लेकिन देहभान जरूर भरा हुआ है।
Time: 11.50-14.00
Student: As is the part we play in the Confluence Age, so shall our pictures be prepared.
Baba: Here, in the Conflluence Age world of Brahmins, as is the part we play, so shall our pictures be prepared. Pictures will be prepared in the path of bhakti on the basis of the actions that we perform here. In the end of the Copper Age, the deities who played the part of tail, the tail of body consciousness became very long, it started becoming long; where was this part actually played? When the Copper Age shooting begins in the Confluence Age shooting, the part of those with a long tail starts. Similarly, Ganesh is shown to have a trunk of Hanuman in the end of the Copper Age. So, there are people with the trunk of body consciousness whose eyes are full of ego (intoxication) and whose ears are very sharp in listening and narrating knowledge. They listen to maximum knowledge and narrate it to others, but they are unable to leave the body consciousness. They are so full of body consciousness just like there is body consciousness in every hair of an elephant. It keeps shaking because of body consciousness. It has a wide intellect just as Ravan, who was very proficient in intellect. Similarly they are very proficient in intellect, but they are unable to end the body consciousness. So, a picture of Ganesh has been prepared for them. There is no tail of the vice of lust which is shown in the waist but they are certainly full of body consciousness.

[2] means a part of something.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

14.05–15.30

जिज्ञासु– बाबा, सेवकराम के जो पुराने शरीर को वहाँ पर जो दफना दिया गया था या जो काठ के संदूक में जो पुराना लिटरेचर था तो उसको भी तो खोदनेवाले कोई लोग निकाल रहे हैं। उसके बारे में क्या पता लगेगा कैसे लगेगा?

बाबा– अब कोई चीज़ लोहे के बक्स में बंदकर के जमीन में गाढ़ी गई है तो गाढ़ने का संकल्प क्या था? उसका संकल्प गाढ़नेवालों का यही था कि जब टाईम आयेगा तो ये बक्स बाहर आ जायेगा। प्लैनिंग चल रही है चलानेवालों की कि वो मकान ही खरीद लिया जाए और उसकी खुदाई की जाये और उसमें से वो बक्सा निकाल लिया जाए ताकि` शुरूआत का सतोप्रधान जो ज्ञान है वो बाहर आ जाये।

जिज्ञासु– उस समय तो यहाँ के लोग वहाँ चले जाते थे कोई पास की जरूरत नहीं होती थी फिर बँटवारा होने पर कोई जाए नहीं सकता है ऐसे।

बाबा– ऐसी तो कोई बात नहीं है। एड़वान्स में सबसे पहले जो ज्ञान में आया विदेशियों के बीच में से वो पाकिस्तानी ही आदमी आया। वो अभी भी पाकिस्तान की नागरिकता वाला है।

Time: 14.05-15.30

Student: Baba, there are some people emerging who will excavate the old body of Sevakram which was buried there or the old literature that was buried in a wooden box. What can we know about it and how?

Baba: Well, if something has been put in an iron box and buried underground, then what was the thought behind burying it? The thought of those who buried it was that when the time comes, this box will come out. People are planning that they should buy that house and excavate it and bring out the box so that the *satopradhan* knowledge of the beginning comes out.

Student: At that time if someone from here used to go there (i.e. Pakistan) they did not need any pass (port). After partition nobody can go like this.

Baba: It is not so. The person who entered the path of knowledge first of all in advance from the foreign countries was from Pakistan itself. He still holds the citizenship of Pakistan.

15.35–16.05

जिज्ञासु– बाबा, बलराम का पार्ट किसका होता है?

बाबा– बलराम? जैसे बलराम और कृष्ण की जोड़ी है। ऐसे ही रामायण में राम और लक्ष्मण की जोड़ी है। ये बापदादा का पार्ट साथ ही साथ है। चाहे रामायण हो और चाहे महाभारत या गीता हो, भागवत हो। जो राम है वो ही बलराम है।

Time: 15.36-16.05

Student: Baba, who plays the part of Balram?

Baba: Balram? For example, there is a pair of Balram and Krishna. Similarly, there is a pair of Ram and Lakshman in Ramayana. Bap and Dada's part is together, whether it is Ramayana or Mahabharata or Gita or Bhagwat. The one who is Ram is himself Balram.

16.15–17.10

जिज्ञासु– बाबा, कमला का अर्थ बताया कम लाई। कम लाई माना क्या?

बाबा– कमला? कमल शब्द से बनता है कमला। क्या? कमल माना कमल का फूल। रहता है कीचड़ में कीचड़ की दुनिया में रहते हुए भी उसमें कीचड में से जब कमल का फूल बाहर निकालते हैं तो कीचड़ का एक बूँद भी उसमें ठहरता नहीं माना लगाव–झुकाव की बीमारी उतनी ज्यादा होती नहीं है जितना और फूलों में होती है इसलिए उसका नाम है कमला। क्या कम ला? जो कीचड़ का लगाव–झुकाव है वो कम लगता है इसलिए उसका नाम है कमला।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 16.15-17.10
Student: Baba Kamala's meaning has been clarified as 'Kam laai' (the one who brought less). What is meant by 'kam laai'?
Baba: Kamala? The word Kamala has emerged from the word 'kamal' (lotus). What? Kamal means lotus flower. It lives in sludge, and despite living in the world of sludge, when you take out the lotus flower from the sludge, not even a drop of sludge remains on it. It means that it does not suffer from the disease of attachment and inclination like other flowers. This is why its name is kamala. What should you bring less (kam laa)? It carries less sludge of attachment and inclination. This is why her name is Kamala.

17.12–17.50
जिज्ञासु– बाबा माताजी ने जो सवाल पूछा था वो सवाल ये है – लौकिक में जो स्कूल में पढ़ाई पढ़ते हैं और मंदिर में जो पढ़ाई पढ़ते हैं उसमें क्या अंतर है?
बाबा– लौकिक में जो पढ़ाई पढ़ते हैं वो पांच तत्वों की पढ़ाई पढ़ते हैं और मंदिर में जो पढ़ाई पढ़ते हैं वो भक्तिमार्ग की पढ़ाई पढ़ते हैं और ज्ञानमार्ग में जो पढ़ाई पढ़ते हैं वो ज्ञान की बातों की पढ़ाई, आत्मा–परमात्मा की पढ़ाई पढ़ते हैं। तीनों में बहुत अंतर आ जाता है।
Time: 17.12-17.50
Student: Baba, the question asked by mataji is, what is the difference between the knowledge that we study in the worldly schools and in temples?
Baba: In the worldly schools we study the knowledge of five elements. And the knowledge that we study in temples is the knowledge of the path of bhakti and the knowledge that we study in the path of knowledge is about the topics of knowledge, the knowledge of the soul and the Supreme Soul. There is a lot of difference between all the three.

17.51–19.00
जिज्ञासु– बाबा, भक्तिमार्ग में शंकर को विष पीते दिखाया गया।
बाबा– शंकर को विष पीते दिखाया। हाँ, जी।
जिज्ञासु– और मीरा को भी विष पीते दिखाया।
बाबा– हाँ।
जिज्ञासु– दोनों में अंतर क्या है?
बाबा– दोंनो संगी–साथी रहे होंगे। वो जगतपिता रहा होगा, वो जगदम्बा रही होगी। तो दोंनो का काम एक जैसा ही होगा कि नहीं? कि अलग–2 होगा?
जिज्ञासु– अलग–2।
बाबा– क्यों?
जिज्ञासु– शंकर ने विश्व कल्याण के लिए विष पीया।
बाबा– और मीरा क्या अपने कल्याण के लिए, स्वार्थ के लिए विष पीया?
जिज्ञासु– मीरा को पिलाया गया।
बाबा– पिलाया गया लेकिन पीया किसने?
जिज्ञासु– मीरा ने।
बाबा– तो फिर।
जिज्ञासु– जबरदस्ती किया तभी तो पिलाया गया।
बाबा– अरे, यहाँ भी तो देवताओं ने पिलाया शंकर जी को। देवी–देवताओं ने पिलाया तब पिया। जब कोई पीने के लिए तैयार नहीं हुए; मरने के लिए सब तैयार हो गये। भल मर जायेंगे तो मर जायेंगे। सारी दुनिया मर जायेगी तो हम भी मर जायेंगे। सब तैयार हो गये मरने के लिए तो उन्होंने कहा अच्छा, मरो मत। लाओ हम पी लेते हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 17.51-19.00
Student: Baba, on the path of *bhakti* Shankar is shown to be drinking poison.
Baba: Shankar is shown to be drinking poison. Yes.
Student: And Meera is also shown to be drinking poison.
Baba: Yes.
Student: What is the difference between both of them?
Baba: Both of them must have been companions. He must have been *Jagatpita* (the father of the world) and she must have been Jagadamba. So, will the task of both of them be similar or not? Or will it be different?
Student: Different.
Baba: Why?
Student: Shankar drank poison for the benefit of the world.
Baba: And did Meera drink poison for her own benefit, did she drink it out of selfishness?
Student: Meera was made to drink it.
Baba: She was made to drink it, but who drank it?
Student: Meera.
Baba: So, then?
Student: She was forced, only then was she made to drink it.
Baba: Arey, here also the deities made Shankar drink it. He drank only when the deities made him drink it. When nobody was ready to drink it; everyone became ready to die. [They thought], if we have to die, we will die. If the entire world dies, we too will die. When all became ready to die, he [Shankar] said, alright, don't die. Give it to me, I will drink it.

19.01–19.22
जिज्ञासु– बाबा, गणेश माना क्या?
बाबा– गण कहते हैं समूह को। देवताओं का जो समूह है, संगठन है उनका ईश। ईश माने स्वामी। जो देवताओं का संगठन है उसका जो प्रतिनिधित्व करता है उसका नाम रख दिया है गणेश।
Time: 19.01-19.22
Student: Baba, what does Ganesh mean?
Baba: An assembly is called *'Gan'*. The lord of the assembly, the gathering of the deities. *'Eesh'* means the lord. The name of the one who represents the gathering of the deities is given as Ganesh.

19.25–21.10
जिज्ञासु– बाबा बगुला गंद खानेवाला होता है और हंस ज्ञान के मोती को चुगनेवाला होता है। तो बगुला कौन है और हंस कौन है?
बाबा– ज्ञान में चलते हुए जो गंद की बातों में जिनकी बुद्धि लगी रहती हैं, अज्ञान की गंद कहो, देहभान की गंद कहो वो गंद खाने में ही जो लगे रहते है वो है बगुले और ज्ञान में चलते हुए जिनकी बुद्धि में ज्ञान रत्न ही रमण करते रहते हैं, बाबा के महावाक्य ही रमण करते रहते हैं, मनन–चिंतन–मंथन में ही बुद्धि लगी रहती है, देहभान की बातों में बुद्धि नहीं लगती है उनको हंस कहेंगे। हंस हमेशा मोती चुगते हैं। वो ज्ञान के मोती हैं। हंस नीर–क्षीर–विवेकी होते हैं, पानी–2 अलग कर देते हैं, दूध को अलग कर देते हैं। इसका मतलब ये हुआ कि मनुष्य जो कुछ ज्ञान सुनाते हैं वो पानी–2 का ज्ञान सुनाते हैं। सुना हुआ ही सुनावेंगे और भगवान तो सुना हुआ नहीं सुनाता है। वो तो दूध ही दूध सुनाता है। जो मुरली है, मुरली के महावाक्य हैं वो असल दूध है। उस दूध को मंथन करेंगे तो मक्खन निकलेगा। गंगा की सुनाई हुई बातों का मंथन करेंगे तो मक्खन नहीं निकलता क्योंकि गंगा

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

पानी की गंगा है। गंगा मंथन करके नई बातें नहीं निकाल सकती। अब वो गंगा हो, यमुना हो, सरस्वती हो` भगवान की सुनी–सुनाई बातें ही सुना सकती है। नई बातें कुछ मंथन करके नहीं निकाल सकती।

Time: 19.25-21.10

Student: Baba, a heron eats dirt and a swan picks the pearls of knowledge. So, who is heron and who is swan?

Baba: The ones, whose intellect remains engaged in the dirty topics while following knowledge; call it the dirt of ignorance, call it the dirt of body consciousness, the ones who remain engaged in eating that dirt are herons and the ones, in whose intellect, only the jewels of knowledge keep wandering while following knowledge, the great versions of Baba keep wandering; whose intellect remains engaged in thinking and churning, those whose intellect does not become engaged in the topics of body consciousness are called swans. The swans always pick pearls. They are the pearls of knowledge. The swans are the ones who distinguish water from milk; they separate water and milk [from each other]. It means that whatever knowledge human beings narrate is the knowledge like water. They will narrate only what they hear and God does not narrate what he hears. He narrates only milk. The murlis, the great versions of the murli is real milk. If that milk is churned, butter will emerge. If the topics narrated by Ganga are churned, butter does not emerge because Ganga is the Ganga of water. Ganga cannot take out new topics by churning [knowledge]. Now whether it is Ganga, Yamuna [or] Saraswati, they can narrate only those topics which they have heard God narrate. They cannot bring out new topics by churning.

21.15–22.40

जिज्ञासु– बाबा, 1946–47 में ब्रह्मा में शिव की प्रवेशता हुई।

बाबा– हाँ।

जिज्ञासु– तो तभी 47 में भारत को स्वत्रंता मिलती है अंग्रेजों से।

बाबा– हाँ जी।

जिज्ञासु– तो बाबा दोनों का कुछ कनेक्शन है क्या?

बाबा– ब्रह्मा के द्वारा जो ज्ञान सुनाया गया, ज्ञान सुनाने की शुरूआत हुई उस समय सच्चा स्वर्ग स्थापन हुआ या डुब्लिकेट स्वर्ग स्थापन हुआ कराची में? कौनसा स्वर्ग स्थापन हुआ? डुब्लिकेट स्वर्ग स्थापन हुआ। ऐसी ही महात्मा गाँधी के समय में सन् 47 में जो स्वतंत्रता संग्राम का रिजल्ट निकला वो सच्ची स्वतंत्रता मिली या वास्तव में परतंत्रता मिली, झूठी स्वतंत्रता मिली? झूठी स्वतंत्रता मिली। वो कहते थे स्वर्ग लायेंगे–2 लेकिन जो स्वर्ग लानेवाला है वो खुद ही मर गया माना देहभान में आ गया।

Time: 21.15-22.40

Student: Baba, Shiva entered Brahma in the year 1946-47.

Baba: Yes.

Student: So, at that very time, in 47, India receives independence from the British.

Baba: Yes.

Student: So, Baba is there any connection between both the events?

Baba: The knowledge that was narrated through Brahma, when the narration of the knowledge began, at that time did the establishment of true heaven take place or did the establishment of a duplicate heaven take place in Karachi? Which heaven was established? A duplicate heaven was established. Similarly, at the time of Mahatma Gandhi in 47, the result of the freedom struggle that came... did we receive true independence or did we actually receive dependence, false independence? We received false independence. He [Gandhiji] used to say: we will bring paradise, but the one who brings paradise himself died meaning he became body conscious.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

31.40–33.55
जिज्ञासु– बाबा बौद्ध धर्म में गुम्बद का क्या अर्थ है?
बाबा– गुम्बद का आकार ऐसे बना दिया है जैसे परमधाम इसलिए वो गुम्बद दिखाते हैं।
Time: 31.40-33.55
Student: Baba what is the meaning of the *'gumbad'* (domes) [built] in the Buddhist religion?
Baba: The shape of a dome is made like the Supreme Abode, this is why they show (build) domes.

जिज्ञासु– बाबा सतयुग में श्रीकृष्ण का पाँव टेढ़ा क्यों दिखाया गया है?
बाबा– हाँ, वैकुण्ठ में जो कृष्ण को दिखाते हैं वो टेढ़े पाँव करके दिखाते हैं। वो वास्तव में उस वैकुण्ठ की बात नहीं है जो सतयुग–त्रेता में कोई वैकुण्ठ ऐसा रहा हो। ये तो वास्तव में संगमयुग की पार्ट की बात है। जो मोर का पार्ट है वही कृष्ण का पार्ट है। मोर की पूँछ, मोर का शरीर, मोर का मुँख, आँखे सबकुछ अच्छा है लेकिन जब वो अपने पैरों के तरफ देखता है तो रोता है। तो पाँव उसके अच्छे नहीं होते माना उसकी चाल अड़भंगी होती है। उसकी चाल कोई के समझ में आनेवाली चाल नहीं है। अड़भंगी चाल होने के कारण कोई उसकी चाल को पसंद नहीं करता। जैसे राम–सीता के लिए बोला हुआ है राम–सीता है खादी के राजा–रानी। माना और देवतायें खादी के राजा–रानी नहीं है। राम–सीतावाली आत्मायें जो संगमयुग में पार्ट बजाती है वो पार्ट किसी को समझ में नहीं आता महाकाल और महाकाली का। इसलिए सबको दुखदाई हो जाते है, भारी पड़ जाते है। जैसे खादी का कपड़ा बरसात के मौसम में बहुत भारी और चिपकने वाला बन जाता है। सर्दी में गरम रहता है, सुख देता है। गरमी में थंड़ा रहता है, सुख देता है। ऐसे ही राम–सीतावाली आत्मायें संगमयुगी बरसात के सीजन में बहुत दुख देनेवाली बन जाती हैं और सतयुग–त्रेता में सुखदाई हैं, द्वापर–कलियुग के गरम सीजन में भी सुखदाई हैं।
Student: Baba why has Shri Krishna's leg been shown twisted in the Golden Age?
Baba: Yes, when they show Krishna in *Vaikunth* (Paradise), his leg is shown twisted. Actually, it is not about that Paradise [for which they think], there must have been such a Paradise in the Golden and Silver [Age]. Actually, this is about the role of the Confluence Age. The role of the peacock itself is the role of Krishna. The tail of a peacock, its body, its face, its eyes, everything is nice but when he looks at his legs, he cries. So, his legs are not nice, i.e. his behavior is crooked. His behavior cannot be understood by anyone. Because he has a crooked behavior, no one likes it. For example, it is said for Ram-Sita, Ram-Sita are the king and queen of *Khadi* (a coarse type of cotton cloth). It means that the other deities are not the king and queen of *Khadi*. The part which the souls of Ram and Sita play in the Confluence Age, [that part of] *Mahakaal* and *Mahakaali*, is not understood by anyone. This is why they become the ones who give sorrow to everyone, they become burdensome. Just like the *Khadi* cloth becomes very heavy and sticky in the rainy season. It remains warm in winter, it gives comfort. It remains cool in summer, it gives comfort. Similarly, the souls of Ram and Sita become the ones who give a lot of sorrow in the rainy season of the Confluence Age and in the Golden and Silver [Ages] they give happiness, they give happiness in the hot season of the Copper and Iron [Ages] as well.

35.53–36.34
जिज्ञासु– बाबा कोई बच्चों को जल्दी मिल जाते हैं, किसीको मिलने में देर हो जाती है।
बाबा– अपने पूर्व जन्म के हिसाब–किताब है। कोई ज्यादा नजदीक रहें हैं, ज्यादा प्यार लिया है, दिया है, ज्यादा अच्छा वफादारी, फरमानवरदारी, इमानदारी का पार्ट बजाया है तो जल्दी

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

मिल जाते हैं। कोई को इंतजार ज्यादा करना पड़ता है। बनी, बनाई, बन रही, अब कुछ बननी नाए। पूर्व जन्मों में जैसा–2 जो पार्ट बजाया है वैसे प्राप्ती के अधिकारी बन जाते हैं।
Time: 35.53-36.34
Student: Baba meets some children soon, but he meets some others after a long time.
Baba: These are the accounts of the past births. Some have stayed closer, they have taken and given more love, they have played a very good role of faithfulness, subservience [and] honesty; so Baba meets them soon. Some have to wait for a long time. *Bani, banai, ban rahi, ab kuch banani nai* (whatever is happening is preordained and nothing new will happen now). Whoever has played whatever part in the past births, he becomes entitled to that kind of attainment.

36.35–38.41
जिज्ञासु– बाबा एक तरफ कहा गया है फादर शोज सन, सन शोज फादर और एक तरफ कहा है कि भगवान छुपा रूस्तम है और उसके बच्चे भी छुपा रूस्तम है।
बाबा– हाँ,जी।
जिज्ञासु– तो ये जब सारा भेद खोलेंगे राष्ट्रीय लेवल पर जैसे सी.आय.डी. पुलिस का आदमी अपने आपको शो करेगा तो वो आगे अपना कार्य नहीं कर सकेगा। तो सरकार की सहमति से राज खुलेगा क्या? एकदम प्रत्यक्षता कैसे होगी? ज्ञान की, भगवान की।
बाबा– मुरली में ये बोला है तुम बच्चे केस को ऊँचे ते ऊँचे कोर्ट में ले जावेंगे। बोला है कि नहीं?
जिज्ञासु– बोला है।
बाबा– तो जब सुप्रीम कोर्ट में केस जावेगा सत्य क्या ह, असत्य क्या है, ज्ञान क्या है, अज्ञान क्या ह दुनिया के रहस्य खुलेंगे या नहीं खुलेंगे?
जिज्ञासु– खुलेंगे।
बाबा– अखबार वाले सुप्रीम कोर्ट की बातों को चारों तरफ उड़ावेंगे या नहीं उड़ावेंगे?
जिज्ञासु– नहीं।
बाबा– नहीं उड़ावेंगे ?
जिज्ञासु– उड़ायेंगे।
बाबा– उड़ायेंग, तो आवाज निकलेगी। एक पार्टी चारो तरफ दुनिया में फैली हुई है और एक पार्टी के लोग मुठ भर हैं, पाँच पाण्ड़व हैं तो रिवल्यूशन संसार में फैलेगा या नहीं फैलेगा?
जिज्ञासु– फैलेगा।
बाबा– फैलेगा।
जिज्ञासु– उसके लिए ब्राह्मणों की दुनिया की संख्या ज्यादा होना जरूरी है या सरकार से कोआरडिनेशन जरूरी है?
बाबा– पाण्ड़वों की संख्या ज्यादा होना जरूरी है या पाण्डवों की पाँच ऊँगलिँयों का संगठन मजबूत होना जरूरी है?
जिज्ञासु– संगठन होना जरूरी है ।
बाबा– युधिष्ठिर जैसा फैसला दे दे वैसे ही फैसले को मानने के लिए पाँचों ऊँगली सन्नद हो जाये। भले द्रौपदी को भी दाव में लगा दे तो भी संगठन को सहयोग देनेवाले हो। जानते है ये गलत काम है फिर भी संगठन को मजबूत करे।
Time: 36.35-38.41
Student: Baba on one side it is said, father shows son, son shows father and on the other side it is said, God is the hidden *rustam* (hero) and his children are hidden *rustam* (hero) as well.
Baba: Yes.
Student: So, when this entire secret opens up, on the national level... just like if a C.I.D police reveals himself, he won't be able to do his work further. So, will this secret open up by the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

agreement of the government? How will He be revealed all of a sudden? [The revelation] of knowledge, of the Father.
Baba: In the murli it has been said, you children will take the case to the highest court. Has it been said or not?
Student: It has been said.
Baba: So when the case goes to the Supreme Court, 'what is the truth, what is false, what is knowledge, what is ignorance' will these secrets of the world be revealed or not?
Student: They will be revealed.
Baba: Will the journalists spread the matters of the Supreme Court in all four directions or not?
Student: No.
Baba: Won't they spread it?
Student: They will.
Baba: They will. So, the voice will spread. There is a party which is spread in all four directions in the world and there is another party which has only handful of people, [there are only] the five Pandavas, so will revolution spread in the world or not?
Student: It will spread.
Baba: It will spread.
Student: For that is it necessary for the population of the Brahmin family to be more or is the coordination of the government required?
Baba: Is it necessary for the number of Pandavas to be more or is it necessary for the gathering of the five fingers of the Pandavas to be firm?
Student: The firm gathering is necessary.
Baba: All the five fingers should become ready to follow the decision that Yuddhishtir gives. No matter if he stakes even Draupadi, they should give cooperation to the gathering. They should make the gathering strong even if they know it is wrong.

38.50–40.22
जिज्ञासु– साधु और गुरू का क्या अंतर है?
बाबा– साधु भी गुरू बन जाते है और सवाधु भी गुरू बन जाते है। साधु उनको कहा जाता है जो इन्द्रियों की साधना करते हैं। इन्द्रियों को साधने का पुरूषार्थ करते हैं। इन्द्रियों को खुला नहीं छोड़ देते। लो खूब खाओ–पीओ, खूब मौज करो, मस्ती मारो। नहीं, उनको कन्ट्रोल करते हैं। उनको कहा जाता है साधु। उन साधुओं में कोई गुरू भी बन के बैठते हैं परंतु सच्ची इन्द्रियों की साधना करनेवाला इस दुनिया का कोई मनुष्य गुरू नहीं हो सकता। सच्ची–2 इन्द्रियों की साधना करनेवाला तो एक परमपिता परमात्मा ही है। जो आकर के साधु बनाता है हम ब्राह्मण बच्चों को। इन्द्रियों की साधना करना सिखाता है कि घर–गृहस्थ की कीचड़ में रहो लेकिन मन–बुद्धि से उपराम रहो। इसका मतलब ये नहीं कि व्यभिचारी बन जाओ।
Time: 38.50-40.22
Student: What is the difference between a *sadhu* (sage) and a *guru*?
Baba: The *sadhus* also become *gurus* and the *savadhus* also become *gurus*. Those who make effort to control the organs are called *sadhus.* Those who do the *purusharth* (spiritual effort) to control the organs. They don't leave the organs free. Go, eat and drink a lot, make merry, have fun... No. They control them. They are called *sadhus.* Some among those *sadhus* also sit as *gurus* but no human *guru* of this world can control the organs truly. The one who truly controls the organs is only the one Supreme Father Supreme Soul, who comes and makes us Brahmin children into *sadhus.* He teaches us to control the organs, that stay in the mud of

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

household but remain beyond it through the mind and intellect. It does not mean become adulterated.

40.30–41.10

जिज्ञासु– द्रौपदी का अर्थ क्या है?

बाबा– ध्रुव पदी, जिसका पद ध्रुव है। उसके पद को कोई नीचे–ऊपर कर नहीं सकता। कैसा ध्रुव पद है? नैय्या ड़ोलेगी लेकिन डुबेगी नहीं। कितना भी शरीर रूपी नैय्या का पुरूषार्थ हिल–ड़ोल करता है लेकिन वो नैय्या डूबनेवाली नहीं है; पार जायेगी। इसलिए ध्रुव पदी नाम पड़ा है।

Time: 40.30-41.10

Student: What is the meaning of Draupadi?

Baba: *'Dhruv padi'*, the one whose position is firm. No one can shake her position. What kind of a firm position is it? The boat will shake but it will not drown. No matter how much the *purusharth* of the body like boat shakes, that boat will not drown; it will go across. That is why her name is *'Dhruv padi'*.

41.15–41.37

जिज्ञासु– बाबा सुभद्रा का क्या अर्थ है?

बाबा– सु माना सुंदर, भद्र माना कल्याणकारी। सुंदर कल्याणकारी माना असुंदरता का कोई नामनिशान नहीं। आदि से अंत तक निभानेवाली को सुभद्रा कहा जाता है।

Time: 41.15-41.37

Student: Baba, what is the meaning of Subhadra?

Baba: *'Su'* means beautiful, *'bhadra'* means beneficial. Beneficial in a beautiful way, meaning there is no name and trace of ugliness. The one who maintains [the relationship with the Father] from the beginning till the end is called Subhadra.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info